भारत की सभी समस्याओं का अन्त

सिस्टम चेन्ज

श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना

भारतीय नेता जी

समस्या आज के हमारे भारतीय नेता

1. आज के हमारे भारतीय कुछ नेता । नेता होने का मतलब समझते है । कि क्षेत्र की जनता का राजा ।
2. आज के हमारे भारतीय कुछ नेता । नेता होने का मतलब समझते है । देश की जनता के धन से । एशो आराम ।
3. आज के हमारे भारतीय कुछ नेता । नेता होने का मतलब समझते है । हर सरकारी महकमे मे । नेता जी दबाव ।
4. आज के हमारे भारतीय कुछ नेता । नेता होने का मतलब समझते है । देश की जनता से सर्वोच्च ।
5. आज के हमारे भारतीय कुछ नेता । नेता होने का मतलब समझते है । 100 य 50 पीढियों के लिए । धन एकत्र करना ।
6. आज के हमारे भारतीय कुछ नेता । नेता होने का मतलब समझते है । देश कि जनता के धन का । दुरूपयोग ।
7. कुछ आज के हमारे भारतीय कुछ नेता । नेता होने का मतलब समझते है । देश कि जनता पर । नेता जी का दबाव ।

आज के कुछ नेता

1. जो लडका । बचपन से । चोरी । गुंडई । दबंगई । दारू । बगैरा । और बडा होने पर । डकैती । हत्यायें । बलात्कार । अपहरण । फिरौती । जैसे । अन्य जघन्य अपराध करके । कई बार । जेल जा चुका होता है । जो लोगों के दिलों मे । दहशत बनकर बैठा है ।
2. कुछ पार्टियां उसे । राजनीति मे उसे । क्वालीफाई समझकर । तुरंत टिकट देती है । तब सक्रिय । राजनीति मे भी । वह यही काम करता है ।

नेता गिरी व्यवसाय

1. नेता गिरी । आज । व्यवसाय बन चुका है ।
2. किसी भी पार्टी मे । कदम रखते ही । व्यक्ति के दिमाग मे । नेता जी की । कवर दबंगई । का भूत सवार हो जाता है ।
3. किसी भी पार्टी मे । कदम रखते ही । व्यक्ति के दिमाग मे । किसी भी रास्ते । धन कमाने का । भूत सवार हो जाता है ।
4. कुछ नेताओं को । यह अटल विस्वास होता है ।
5. कि उनकी । आने वाली । 50 य 100 य इससे अधिक पीढियां । अन्धी । लूली । लंगडी । बहरी । पागल । मूर्ख । पैदा होने वाली है । जो खुद । कमा कर । नही खा सकते ।

मेरा भारत बलवान

6. इसीलिए कुछ नेता । अपने आने वाली । 50 य 100 य इससे अधिक पीढियों के लिए । किसी भी रास्ते । धन इकट्ठा करके रख लेते है ।

बुजुर्गों ने कहा है । की

<u>पूत सपूत । को क्या धन संचय ।। पूत कपूत । को क्या धन संचय ।।</u>

1. लेकिन कुछ मंद बुध्दी । नेताओं के दिमाग मे । बुजुर्गों की बात । बैठेगी कहाँ से ।
2. क्योंकी बुजुर्गों की बात तो । बुध्दीमान । समझदार लोगों के दिमाग मे बैठती है । खैर ---------

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टेटेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।
5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।

मेरा भारत महान

12. किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्योंओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

समस्या नगद रूपया नोट धन

1. आज विश्व मे । य भारत मे । नगद रूपया नोट के चलन से ।
2. नगद रूपया नोट व्दारा । कुछ भी । खरीदी कर सकने की आजादी से ।
3. नगद रूपया नोट व्दारा । कितना भी । खरीदी कर सकने से ।
4. नगद रूपया नोट को । कैसे भी । खर्चा कर सकने की आजादी से ।
5. हमेशा । बहुत । बडे बडे । भयंकर । अपराध होते है ।
6. आज विश्व मे । य किसी भी । भारतीय नागरिक के पास । रूपया नोट । किसी भी रास्ते से आये ।
7. चाहे 1. चोरी से आए । 2. डकैती से आए । 3. लूटमार से आए । 4. जेब कतरी से आए । 5. अपहरण से आए । 6. जाली नोटो से आये । 7. सट्टा से आए । 8. मटका से आए । 9. जुंवा से आए । 10. झूंठ बोल कर आए । 11. छलकपट करके आए । 12. बेईमानी करके आए । 13. गद्दारी करके आए । 15. धोखा देकर आए । 16. तस्करी से आए । 17. नशीला पदार्थ बेंचकर आये । 18. हवाला से आए । 19. हप्ता वसूली से आए । 20. गाडियाँ चोरी से आए । 21. सोना लूटकर आए । 22. चाँदी लूट कर आए । 23. नग लूटकर आए । 24. नगद रूपया लूटकर आए । 25. जमीनी दलाली से आए । 26. काला बाजारी से आए । 27. मुनाफा खोरी से आए । 28. रिस्वत से आए । 29. काला धन से आए । 30. टैक्स चोरी करके आए । 31. जनता व्दारा जमा टैक्स लूटकर आए । 32. देश सुरक्षा वैपन की दलाली से आए । 33. देश की गुप्त जानकारीयां बेचने से आए । 34. देश का खनिज बेंचकर आए । 35. जंगल काट कर आए । 36. जंगल की कीमती लकडी बेंच कर आए । 37. जंगली जानवरों को बेच कर आए । 38. जंगली जानवरों के अंग बेच कर आए । 39. बैंक डकैती से आए । 40. बैंक से गबन से आए । 41. बैंक दिवालिया से आए । 42. बैंक धन हेरा फेरी से आए । 43. बैंक ए टी एम चोरी से आए । 44. इंसानी खरीद बिक्री से आये । 45. वैश्यावृत्ति से आए । 46. वैश्याओं की दलाली से आए ।

मेरा भारत बलवान

8. 47. दहेज से आए । 48. दूसरी शादी से आए । 49. बच्चों से भीख मगाँ कर आए । 50. भीख माँग कर आए । 51. भ्रूणं हत्या से आए । 52. खून बेचं कर आए । 53. भ्रष्टचाचार से आए । 54. स्कूली डोनेशन से आए । 55. स्कूली मनचाही फीस से आए । 56. टियूशन य क्लासेस की मनचाही फीस से आए । 57. मरीजों से मनचाहा धन लेकर आए । आदि य अन्य किसी भी । अनैतिक रास्ते से आए ।
9. रूपया नोट धन । हाथ मे आते ही । व्यक्ति । उस रूपया नोट धन का । मालिक हो जाता है ।
10. उस रूपया नोट से । कुछ भी खरीद सकता है । कितना भी खरीद सकता है ।
11. नागरिक । उस रूपया नोट धन को । मनमर्जी तरीके से खर्चा करता सकता है ।
12. क्योकी । खर्चा करने मे । कोई रोक टोक नही है । रूपया नोट धन को खर्चा करने की । खुली आजादी है । .

आज नागरिक को आजादी है की

1. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी घर खरीदे ।
2. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी बंगले खरीदे ।
3. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी कोठी खरीदे ।
4. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी प्लाट खरीदे ।
5. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी खेती जमीन खरीदे ।
6. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी सोना खरीदे ।
7. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी चांदी खरीदे ।
8. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी नग खरीदे ।
9. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी गाडियां खरीदे ।
10. नगद रूपया नोट धन । देश । य विदेशों के । किसी भी बैंक मे । धन जमा करे । कोई रोक टोक नही है ।
11. रूपया नोट । जिसके जिसके हाँथ मे है । वह व्यक्ति रूपया नोट का । मालिक होता है । वह रूपया नोट को । जैसे चाहे । वैसे खर्चा कर सकता है ।
12. व्यक्ति के । गाढी मेहनत की कमाई । किसी भी । दूसरे व्यक्ति के । हाँथ मे आते ही । व्यक्ति आसानी से । खर्चा कर सकता है ।
13. यह एक । महान अव्दतीय सुविधा है । जो हमारे पूर्वजों ने । हमे बनाकर दिया है । कि हम इंसानी समस्यायों को । आसानी से हल कर सके ।
14. लेकिन हम । स्वार्थी लोग । स्वार्थ मे अन्धे होकर । पूर्वजों व्दारा बनाई गई । इस महान अव्दतीय सुविधा का । गलत उपयोग करने लगे हैं । इसे रोकना बहुत जरूरी है ।

मेरा भारत महान

सिस्टम चेन्ज

भारतीय नेता जी

समाधान उपाय जीसियो नियम फार्मूला नगद धन

1. विश्व मे । य भारत मे । नगद रूपया नोट का चलन बन्द होकर । नगद रूपया नोट की जगह ।
2. कार्डों का चलन होने से । विश्व की । य भारत की । सभी समस्याओं का । अन्त हो जायेगा ।
3. कार्डों का चलन होने पर । जिस व्यक्ति के । गाढी मेहनत की कमाई है । सिर्फ । वही व्यक्ति खर्चा कर सकता है ।
4. किसी भी दूसरे व्यक्ति के । हाँथ मे आने पर भी । दूसरा व्यक्ति । किसी के गाढी मेहनत की कमाई । खर्चा नही कर सकता है ।
5. आज हमारे भारत मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे चली जाये । वही व्यक्ति उस धन का । मालिक बन जाता है ।
6. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति । उपयोग नही कर सकता ।

हमारे नेता कैसे होना चाहिये

<u>हमारे भारतीय नेता जी का मतलब</u>

<u>देश सेवा + जन सेवा = नेता जी</u>

जीसियो नियम से नेता को शिक्षा क्लास मे प्रवेश के लिए

1. पी कार्ड धारक युवक को । भारतीय नेता बनने के लिए । उम्र 21 वर्ष से ऊपर होना चाहिये ।
2. पी कार्ड धारक युवक को । भारतीय नेता बनने के लिए । शिक्षा 12 वी य । उससे ऊपर होना चाहिये ।
3. पी कार्ड धारक युवक को । भारतीय नेता बनने के लिए । गूँगा । बहरा । नही होना चाहिये ।
4. जब । भारत मे आटो चलाने के लिए । पुलिस एन. ओ. सी .। जरूरी है ।
5. तो । भारत देश चलाने के लिए । पुलिस एन. ओ. सी .। क्यों जरूरी नही है ।
6. पी कार्ड धारक युवक को । भारतीय नेता बनने के लिए । किसी भी तरह का । अपराध रहित । पुलिस एन. ओ. सी.। जरूरी है ।
7. पी कार्ड धारक युवक को । भारतीय नेता बनने के लिए । 2 वर्ष का । नेता शिक्षा क्लास । पास करना जरूरी है ।

जीसियो नियम से नेता की शिक्षा क्लास

1. <u>भारतीय नेता बनने के लिए । नेता शिक्षा क्लास मे । युवक को ।</u>
2. <u>युवक को । देश सेवा । करना सिखाया जायेगा ।</u>
3. <u>युवक को । जन सेवा । करना सिखाया जायेगा ।</u>

मेरा भारत महान

4. युवक को । देश चलाना । सिखाया जायेगा ।
5. युवक को भाषंण । देना सिखाया जायेगा .।
6. युवक को । विदेशनीति । करना सिखाया जायेगा ।
7. युवक को । संतुलित भांषण । करना सिखाया जायेगा ।
8. युवक को । देश सुरक्षा । करना सिखाया जायेगा ।
9. युवक को । संसद मंदिर मे । विशिष्ठ व्यवहार । करना सिखाया जायेगा
1. युवक को । संसद मंदिर मे । संतुलित । संसद नियमित भाँषण । करना सिखाया जायेगा
2. युवक को । देश के आन्तरिक बाहरी विषयों का सम्पूर्ण ज्ञान । आदि दिया जायेगा ।
3. युवक को नेता बनने के लिए । नेता शिक्षा क्लास । वर्ष का । पास करना जरूरी है । 2
4. तभी किसी भी । भारतीय राजनीती पार्टी मे । प्रवेश मिलेगा ।
5. कोई भी । भारतीय राजनीती पार्टी । प्रशिक्षित । क्वालीफाई । नेता शिक्षा क्लास । पास किये हुए । योग्य व्यक्ति को ही । पार्टी मे प्रवेश देगी ।

ससंद के दोनो सदनों मे । पढे लिखे । ग्रेजुएट । नेता शिक्षा क्लास । प्रशिक्षित । क्वालीफाई । नेता ही जायेगे ।

1. जो । किसी भी तरह का अपराध रहित । देश सेवा । जन सेवा । देश चलाना । विदेशनीति । संतुलित भांषण । देश सुरक्षा । संसद मंदिर मे । विशिष्ठ व्यवहार । देश के आन्तरिक । बाहरी विषयों का । सम्पूर्ण ज्ञानजन सेवा भावना से । ओत प्रोत । देश चलाने योग्य । अपराधिक गतिविधियों के खिलाफ खड़े होने वाले । व्यक्ति ही । ससंद के दोनो सदनों मे पहुंचेगें । जो अपने भारत को । विश्व मे । नं 1 का देश बनायेगें

1. जीसियो नियम से । धन के लालची । जन सेवा । देश सेवा । के नाम पर । राजनीति मे । शामिल नही होगें ।
2. जीसियो नियम से । सिर्फ असली । देश भक्त ही । राजनीति मे शामिल होगें ।

जय विश्व अग्रणी भारत की

मेरा भारत महान